

राजस्थान सरकार  
राजस्व (ग्रुप-6) विभाग

क्रमांक- प.9(6)राज.-6/2000/19

जयपुर, दिनांक:- 30.01.2006

1. समस्त संभागीय आयुक्त।
2. समस्त जिला कलेक्टर।

:: परिपत्र ::

इस विभाग के परिपत्र संख्या-प.9(6)राज-6/2000/14 दिनांक 31.07.01 तथा 9(6)राज-6/2000/16, दिनांक 16.10.2001 के द्वारा अधिसूचित समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में सिवायचक एवं अन्य गैर मुमकिन राजस्व भूमियों पर दिनांक 1.07.1989 से पूर्व आवास गृह व जानवरों के बाड़े बनाकर किये गये अतिक्रमणों को नियमन करने के निर्देश जारी किये गये थे। अब राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि दिनांक 1.07.1989 की अवधि को बढ़ाकर 1.1.1995 कर दिया जाये।

अतिक्रमणों के सभी नियमन उन्ही शर्तों और निर्बन्धनों पर किया जाएगा जो दि० 18.2.1955 से 1.7.1975 तक किए गए अतिक्रमणों के नियमन पर लागू हैं तथा परिपत्र क्रमांक प. 6(17)राज/ख/71, दि० 3.7.71 तथा परिपत्र क्रमांक प. 6(10)राज/4/77, दिनांक 23.4.77 में उल्लेखित हैं।

यह आदेश रिकार्ड में वन विभाग के नाम दर्ज भूमि व अन्य प्रतिबन्धित किस्में जैसे- ओरण, जोहड, पायतन, नदी, तालाब के पेटे शमशान, कब्रिस्तान व मन्दिरों की भूमियों पर तथा किसी उद्देश्य हेतु अवाप्तिशुदा भूमियों, राजकीय उपक्रम या राजकीय विभाग की भूमियों पर लागू नहीं होंगे। स्थानीय निकायों की शहरी व पेरीफेरी क्षेत्रों में यह नियम/निर्देश लागू नहीं होंगे व किसी भी प्रकार की सरकारी जमीन पर आवास व बाड़ों का नियमन नहीं किया जायेगा। शहरी व पेरीफेरी क्षेत्रों के बारे में निर्णय संबंधित शहरी निकाय लेगा।

आज्ञा से,

(क० जी० अग्रवाल)

शासन उपसचिव, राजस्व

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री महोदय/विशिष्ट सहायक, मा० राजस्व मंत्री महोदय
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, राज०, जयपुर।
3. निबन्धक, राजस्व मण्डल, राज०, अजमेर।
4. राविसा, राजस्व मण्डल, राज०, अजमेर।
5. अतिरिक्त निबन्धक, राजस्व मण्डल (वित्त एवं लेखा), अजमेर।
6. समस्त उप शासन सचिव, राजस्व विभाग।
7. रक्षित पत्रावली।

शासन उपसचिव, राजस्व